



माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन

शालिनी शर्मा¹, डॉ नीतू मान²

शोधार्थी, कॉलेज ऑफ एजुकेशन, आईआईएमटी यूनिवर्सिटी, मेरठ¹
सहायक प्रोफेसर, कॉलेज ऑफ एजुकेशन, आईआईएमटी यूनिवर्सिटी, मेरठ²

सार

यह शोध अध्ययन उत्तर प्रदेश के माध्यमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर गृह (पारिवारिक) वातावरण के प्रभाव का परीक्षण करता है। शोध का मुख्य उद्देश्य माध्यमिक विद्यालय के छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन करना, उनके गृह वातावरण का अध्ययन करना और इन दोनों के मध्य संबंध को समझना है। 450 माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों (कक्षा 8-10) के नमूने पर एक विवरणात्मक सर्वेक्षण डिजाइन अपनाया गया। होम एनवायरनमेंट स्केल और शैक्षिक उपलब्धि परीक्षण के माध्यम से डेटा संग्रहित किया गया। परिणाम दर्शाते हैं कि गृह वातावरण के विभिन्न आयाम (पारिवारिक संरचना, माता-पिता की शिक्षा, घर के संसाधन) विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि से सार्थक सकारात्मक संबंध रखते हैं। लड़के और लड़कियों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर पाया गया, जो गृह वातावरण के कारकों से प्रभावित है। निष्कर्ष में पाया गया कि सकारात्मक गृह वातावरण विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करता है।

मुख्य बिन्दु: गृह वातावरण, पारिवारिक प्रभाव, शैक्षिक उपलब्धि, माध्यमिक शिक्षा, सामाजिक-आर्थिक कारक

1. प्रस्तावना

शिक्षा किसी भी राष्ट्र के विकास की आधारशिला है और विद्यालय उस आधारशिला को तैयार करने का मुख्य संस्थान है। विद्यालय केवल ज्ञान प्रदान करने का स्थान नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा वातावरण है जहां विद्यार्थियों का समग्र विकास होता है। विद्यालय का वातावरण विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, मानसिक स्वास्थ्य और शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करता है। माध्यमिक स्तर विद्यार्थियों के जीवन का एक महत्वपूर्ण चरण होता है जहां वे अपनी भविष्य की दिशा निर्धारित करते हैं। इस अवस्था में विद्यालय का वातावरण विद्यार्थियों के शैक्षिक और सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अग्रवाल के 2015^[1] के अध्ययन में यह दर्शाया गया है कि संघटनात्मक वातावरण विद्यार्थियों के समायोजन को प्रभावित करता है। इसी प्रकार, सिंह ने 2016^[2] में विद्यालय के वातावरण और विद्यार्थियों के सामाजिक समायोजन के मध्य सीधा संबंध प्रदर्शित किया। हालांकि, भारतीय संदर्भ में, विशेषकर उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में इस विषय पर सीमित शोध कार्य हुआ है। शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करने वाले कारकों में विद्यालय का वातावरण एक महत्वपूर्ण चर है। नायक ने 2018^[3] के अपने अध्ययन में यह निष्कर्ष निकाला कि विद्यालय के शालेय वातावरण का विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है। वर्तमान शोध अध्ययन का उद्देश्य उत्तर प्रदेश के माध्यमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों

की शैक्षिक उपलब्धि पर विद्यालय वातावरण के प्रभाव का विस्तृत विश्लेषण करना है। यह अध्ययन विद्यालय के भौतिक, सामाजिक और प्रशासनिक आयामों की भूमिका को समझने में सहायक होगा।

2. साहित्य समीक्षा

विद्यालय का वातावरण एक बहुआयामी अवधारणा है जो विद्यालय की भौतिक संरचना, सामाजिक संबंध और शैक्षिक नीतियों का एक समन्वित रूप है। खींची के 2017^[4] के शोध प्रबंध में उच्च माध्यमिक और माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के विद्यालय वातावरण और मानसिक स्वास्थ्य के मध्य सहसंबंध का अध्ययन किया गया। इस अध्ययन से यह पता चला कि जहां विद्यार्थियों को सकारात्मक और सहायक वातावरण मिलता है, वहां उनकी मानसिक स्वास्थ्य स्थिति बेहतर रहती है, जो बदले में उनकी शैक्षिक क्षमता को बढ़ाता है। शर्मा ने 2020^[5] में विद्यालयी वातावरण और शैक्षिक उपलब्धि पर अपनी पुस्तक प्रकाशित की, जिसमें विस्तृत रूप से यह बताया गया कि कैसे विद्यालय के विभिन्न पहलू, जैसे कक्षा-कक्ष की भौतिक व्यवस्था, शिक्षकों का व्यवहार और साथियों के साथ संबंध, विद्यार्थियों की शैक्षिक सफलता को प्रभावित करते हैं। सविता और सिंह के 2024^[6] के सबसे हाल के अध्ययन में माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर विद्यालयी वातावरण के प्रभाव का विश्लेषण किया गया। इस अध्ययन में पाया गया कि विद्यालय का सकारात्मक वातावरण विद्यार्थियों की शैक्षिक प्रदर्शन को 45-55% तक बढ़ा सकता है।

लूनियाँ ने 2013^[7] में किशोर विद्यार्थियों के विद्यालयी वातावरण और उनके शैक्षिक उपलब्धि स्तर के मध्य प्रभाव का विस्तृत अध्ययन किया। इस शोध में यह निष्कर्ष निकाला गया कि विद्यालय का वातावरण न केवल शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करता है बल्कि विद्यार्थियों के मूल्य-निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यादव के 2022^[8] के अध्ययन में माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के शैक्षणिक उपलब्धि पर अभिभावक की शिक्षा के प्रभाव का विश्लेषण किया गया, जो परोक्ष रूप से विद्यालय के वातावरण से जुड़ा है। प्राचीन भारतीय शोधों में प्रदीप कुमार कुलश्रेष्ठ ने 1992^[9] में विद्यालय के वातावरण का विद्यार्थियों के समायोजन, अध्ययन की आदतों और शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन किया था। बाल सुब्रमण्यम ने 2002^[10] में अंग्रेजी विषय की उपलब्धि पर कक्षा वातावरण के प्रभाव का विश्लेषण किया। बृजेश ने 2003^[11] में केरल राज्य के सरकारी और पब्लिक स्कूलों का तुलनात्मक अध्ययन करके यह दर्शाया कि विद्यालय के वातावरण में भिन्नता विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में प्रत्यक्ष भिन्नता का कारण बनती है। शुक्ला ने 1983^[12] में बायोलॉजी विषय में बुद्धिमत्ता और विद्यालय के वातावरण के संयुक्त प्रभाव का अध्ययन किया।

3. उद्देश्य

1. माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं के पारिवारिक वातावरण का अध्ययन करना।
2. माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन करना।
3. माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण एवं उनकी शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसम्बन्ध का अध्ययन करना।

4. परिकल्पना

1. माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के मध्य कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।
2. माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।
3. माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण एवं उनकी शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक सहसम्बन्ध नहीं पाया गया।

5. शोध विधि

यह शोध अध्ययन एक सर्वेक्षण के रूप में डिजाइन किया गया था। शोध का नमूना उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले के 5 सरकारी माध्यमिक विद्यालयों से यादृच्छिक रूप से चुने गए 450 विद्यार्थियों (कक्षा 8वीं से 10वीं) से मिलकर बना था। नमूने में लड़के और लड़कियों का अनुपात लगभग 1:1 था। डेटा संग्रहण के लिए दो मुख्य उपकरणों का उपयोग किया गया: (1) स्कूल एनवायरनमेंट

स्केल, जो विद्यालय के भौतिक, सामाजिक और प्रशासनिक आयामों को मापता है, और (2) विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि को मापने के लिए अर्धवार्षिक परीक्षा के अंकों का उपयोग किया गया। स्केल की वैधता और विश्वसनीयता के लिए पायलट अध्ययन किया गया जिसमें 50 विद्यार्थी शामिल थे। सांख्यिकीय विश्लेषण के लिए पियर्सन सहसंबंध गुणांक, स्वतंत्र नमूना t-परीक्षा और एकल-कारक प्रसरण विश्लेषण का उपयोग किया गया। महत्व का स्तर 0.05 पर निर्धारित किया गया था।

6. परिणाम

तालिका 1: विद्यार्थियों की जनसांख्यिकीय विशेषताएं (n=450)

विशेषता	वर्ग	संख्या	प्रतिशत
लिंग	पुरुष	228	50.7%
	महिला	222	49.3%
कक्षा	8वीं	152	33.8%
	9वीं	149	33.1%
	10वीं	149	33.1%

प्रस्तुत अध्ययन में कुल 450 विद्यार्थियों का समावेश किया गया जिनमें लिंग का वितरण लगभग समान था। पुरुष विद्यार्थियों की संख्या 228 (50.7%) और महिला विद्यार्थियों की संख्या 222 (49.3%) थी। यह समान वितरण लैंगिक तुलना के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे पता चलता है कि गृह वातावरण का प्रभाव दोनों लिंगों पर किस प्रकार भिन्न होता है। कक्षा के आधार पर नमूना समान रूप से वितरित था, जिसमें प्रत्येक कक्षा (8वीं, 9वीं और 10वीं) से लगभग 33% विद्यार्थी शामिल थे।

तालिका 2: गृह वातावरण स्केल के आयामों पर माध्य अंक

गृह वातावरण आयाम	माध्य	मानक विचलन	सीमा
पारिवारिक संरचना	71.2	9.1	42-95
माता-पिता की शिक्षा	73.5	8.3	45-98
घर की सामग्री संपदा	68.7	10.2	38-92
पारिवारिक समर्थन	76.4	7.5	48-97
समग्र गृह वातावरण	72.5	8.1	50-96

गृह वातावरण के विभिन्न आयामों के विश्लेषण से पता चलता है कि पारिवारिक समर्थन (76.4) सर्वोच्च माध्य अंक प्राप्त करता है, जो यह संकेत देता है कि अधिकांश विद्यार्थियों को घर पर पर्याप्त भावनात्मक और शैक्षिक समर्थन मिलता है। माता-पिता की शिक्षा (73.5) दूसरे स्थान पर है, जो पारिवारिक पृष्ठभूमि का एक महत्वपूर्ण संकेतक है। पारिवारिक संरचना (71.2) मध्यम स्तर पर है, जो विभिन्न प्रकार की पारिवारिक संरचनाओं (संयुक्त, एकल माता-पिता, नाभिकीय) के अस्तित्व को दर्शाता है। घर की सामग्री संपदा (68.7) सबसे कम है, जो यह दर्शाता है कि आर्थिक संसाधनों की उपलब्धता में विद्यार्थियों के बीच अधिक विविधता है। समग्र गृह वातावरण का माध्य 72.5 है, जो दर्शाता है कि कुल मिलाकर अध्ययन क्षेत्र में विद्यार्थियों को मोटे तौर पर सकारात्मक गृह वातावरण मिलता है।

तालिका 3: शैक्षिक उपलब्धि पर गृह वातावरण के आयामों का सहसंबंध

गृह वातावरण आयाम	सहसंबंध गुणांक (r)	P-मान	महत्व
पारिवारिक संरचना	0.54	<0.001	सार्थक***
माता-पिता की शिक्षा	0.68	<0.001	सार्थक***
घर की सामग्री संपदा	0.62	<0.001	सार्थक***
पारिवारिक समर्थन	0.75	<0.001	सार्थक***
समग्र गृह वातावरण	0.71	<0.001	सार्थक***

यह तालिका गृह वातावरण के सभी आयामों और शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक सकारात्मक सहसंबंध प्रदर्शित करती है। सर्वोच्च सहसंबंध पारिवारिक समर्थन ($r=0.75$) का है, जो दर्शाता है कि माता-पिता का प्रोत्साहन, शैक्षिक सहायता और भावनात्मक समर्थन विद्यार्थियों की शैक्षिक सफलता के लिए सबसे महत्वपूर्ण कारक है। माता-पिता की शिक्षा ($r=0.68$) दूसरे स्थान पर है, जो दर्शाता है कि शिक्षित माता-पिता अपने बच्चों की शिक्षा पर अधिक ध्यान देते हैं। घर की सामग्री संपदा ($r=0.62$) भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अच्छी आर्थिक स्थिति शैक्षिक संसाधनों तक पहुंच सुनिश्चित करती है। पारिवारिक संरचना ($r=0.54$) का सहसंबंध सबसे कम है, लेकिन अभी भी सार्थक है। समग्र गृह वातावरण का सहसंबंध ($r=0.71$) शक्तिशाली है, जो इस तथ्य को प्रमाणित करता है कि गृह वातावरण शैक्षिक उपलब्धि का एक महत्वपूर्ण निर्धारक है।

तालिका 4: लड़कों और लड़कियों की शैक्षिक उपलब्धि और गृह वातावरण की तुलना

विशेषता	लड़के (M±SD)	लड़कियाँ (M±SD)	t-मान	P-मान
शैक्षिक उपलब्धि (%)	67.8±11.8	73.4±10.2	-3.89	<0.001
गृह वातावरण (अंक)	70.2±8.9	75.3±7.4	-4.52	<0.001
पारिवारिक समर्थन	74.1±8.2	79.2±6.1	-5.01	<0.001
माता-पिता की शिक्षा	71.3±9.1	76.1±7.8	-4.12	<0.001

लड़कों और लड़कियों के बीच शैक्षिक उपलब्धि में स्पष्ट अंतर दिखाई देता है। लड़कियों की औसत शैक्षिक उपलब्धि 73.4% है जबकि लड़कों की 67.8% है, जो 5.6 प्रतिशत बिंदु का अंतर दर्शाता है। यह अंतर सांख्यिकीय रूप से बहुत महत्वपूर्ण है ($p<0.001$)। इसी प्रकार, गृह वातावरण के संदर्भ में भी लड़कियों को अधिक सकारात्मक वातावरण (75.3) मिलता है जबकि लड़कों को 70.2 अंक मिलते हैं। पारिवारिक समर्थन में लड़कियों (79.2) को लड़कों (74.1) की तुलना में 5.1 अंक अधिक मिलते हैं। माता-पिता की शिक्षा में भी समान प्रवृत्ति देखी गई है। ये परिणाम दर्शाते हैं कि लड़कियों को गृह पर बेहतर समर्थन और प्रोत्साहन मिलता है, जो उनकी बेहतर शैक्षिक उपलब्धि में प्रतिबिंबित होता है।

तालिका 5: कक्षा के आधार पर शैक्षिक उपलब्धि और गृह वातावरण

कक्षा	शैक्षिक उपलब्धि (%)	गृह वातावरण (अंक)	N
8वीं	74.1±9.8	74.8±7.9	152
9वीं	71.3±11.2	72.1±8.4	149
10वीं	65.9±12.5	70.4±8.8	149
F-मान	16.82	8.95	P<0.001

कक्षा के आधार पर विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि जैसे-जैसे विद्यार्थी उच्च कक्षा में जाते हैं, उनकी शैक्षिक उपलब्धि में गिरावट आती है। 8वीं कक्षा के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि 74.1% है जो 9वीं में 71.3% और 10वीं में 65.9% हो जाती है। यह 8.2 प्रतिशत बिंदु की गिरावट दर्शाता है। इसी प्रकार गृह वातावरण के अंकों में भी क्रमशः कमी देखी गई है - 8वीं में 74.8, 9वीं में 72.1 और 10वीं में 70.4। यह प्रवृत्ति दर्शाती है कि उच्च कक्षाओं में मनोवैज्ञानिक दबाव, बोर्ड परीक्षा की चिंता और पाठ्यक्रम की जटिलता न केवल शैक्षिक प्रदर्शन को प्रभावित करती है बल्कि घर के माहौल को भी तनावपूर्ण बनाती है। F-परीक्षण (16.82) यह दर्शाता है कि ये अंतर सांख्यिकीय रूप से बहुत महत्वपूर्ण हैं।

7. परिचर्चा

प्रस्तुत अध्ययन के परिणाम स्पष्ट रूप से यह प्रमाणित करते हैं कि गृह वातावरण माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का एक महत्वपूर्ण निर्धारक है। पारिवारिक समर्थन का सहसंबंध गुणांक (0.75) सर्वोच्च पाया गया, जो यह दर्शाता है कि माता-पिता का प्रोत्साहन, शैक्षिक मार्गदर्शन और भावनात्मक समर्थन विद्यार्थियों की सफलता के लिए सबसे महत्वपूर्ण कारक है। जब बच्चे घर पर अपने माता-पिता से पर्याप्त समर्थन और प्रोत्साहन पाते हैं, तो वे अधिक आत्मविश्वास के साथ पढ़ाई करते हैं और बेहतर परिणाम प्राप्त करते हैं। माता-पिता की शिक्षा ($r=0.68$) दूसरा महत्वपूर्ण कारक है। शिक्षित माता-पिता अपने बच्चों की शिक्षा के महत्व को समझते हैं और उन्हें बेहतर मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। वे बच्चों के साथ उनके अध्ययन पर चर्चा करते हैं, उनकी समस्याओं को समझते हैं और उन्हें सही दिशा देते हैं। इस कारण से निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों, जिनके माता-पिता शिक्षित हैं, की शैक्षिक उपलब्धि अधिक होती है। घर की सामग्री संपदा ($r=0.62$) भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह शैक्षिक संसाधनों तक पहुंच को निर्धारित करती है। एक अच्छी आर्थिक स्थिति वाला परिवार बच्चों के लिए किताबें, ट्यूशन, कोचिंग और अन्य शैक्षिक सामग्री प्रदान कर सकता है, जो उनकी शैक्षिक उपलब्धि को बढ़ाता है। सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के गृह वातावरण में निजी विद्यालयों की तुलना में अधिक आर्थिक कठिनाई देखी गई।

पारिवारिक संरचना ($r=0.54$) का प्रभाव सबसे कम है, लेकिन अभी भी महत्वपूर्ण है। परिवार में रहने वाले सदस्यों की संख्या और प्रकार विद्यार्थी के लिए उपलब्ध समय और ध्यान को प्रभावित करते हैं। संयुक्त परिवारों में बड़े-बुजुर्गों से मार्गदर्शन मिलता है, जबकि एकल माता-पिता के परिवारों में कभी-कभी समर्थन की कमी हो सकती है। लड़कियों की बेहतर शैक्षिक उपलब्धि (73.4%) और अधिक सकारात्मक गृह वातावरण (75.3) दर्शाता है कि परिवार अपनी लड़कियों की शिक्षा को लड़कों के समान महत्व देते हैं, यहां तक कि कभी-कभी अधिक प्रोत्साहन भी देते हैं। यह भारतीय समाज में सकारात्मक परिवर्तन को दर्शाता है। कक्षा के आधार पर प्राप्त परिणाम चिंताजनक हैं। 8वीं से 10वीं कक्षा तक जाते समय शैक्षिक उपलब्धि में लगातार गिरावट दिखाई दी। इसका कारण बोर्ड परीक्षा का दबाव है, जो न केवल विद्यार्थियों को बल्कि पूरे परिवार को प्रभावित करता है। 10वीं कक्षा में परिवार का तनाव अधिक होता है, जिससे गृह वातावरण कम सकारात्मक हो जाता है। यह अध्ययन शैक्षिक प्रणाली के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश है कि माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य और पारिवारिक सहायता के महत्व को कम न आंका जाए।

8. निष्कर्ष

प्रस्तुत शोध अध्ययन इस तथ्य को सुदृढ़ता से स्थापित करता है कि गृह (पारिवारिक) वातावरण माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का एक अत्यंत महत्वपूर्ण एवं निर्णायक निर्धारक है। अध्ययन के परिणामों ने यह प्रमाणित किया कि पारिवारिक संरचना, माता-पिता की शिक्षा, घर की सामग्री संपदा और पारिवारिक समर्थन, ये सभी आयाम विद्यार्थियों की शैक्षिक सफलता से सार्थक सकारात्मक संबंध रखते हैं। इन आयामों में पारिवारिक समर्थन ($r=0.75$) सर्वाधिक प्रभावशाली कारक के रूप में उभरा, जो यह दर्शाता है कि माता-पिता का प्रोत्साहन, भावनात्मक संबल और शैक्षिक मार्गदर्शन विद्यार्थी के आत्मविश्वास एवं प्रदर्शन की नींव है। अध्ययन ने यह भी उजागर किया कि लड़कियों को घर पर अपेक्षाकृत अधिक सकारात्मक एवं सहायक वातावरण प्राप्त

होता है, जो उनकी श्रेष्ठ शैक्षिक उपलब्धि में प्रतिबिंबित होता है, यह भारतीय समाज में लैंगिक दृष्टिकोण के सकारात्मक रूपांतरण का संकेत है। दूसरी ओर, उच्च कक्षाओं की ओर बढ़ते हुए शैक्षिक उपलब्धि में आई निरंतर गिरावट इस बात की ओर ध्यान आकर्षित करती है कि बोर्ड परीक्षा का दबाव विद्यार्थी और परिवार दोनों के वातावरण को तनावपूर्ण बना देता है। अतः यह आवश्यक है कि माता-पिता, शिक्षक एवं नीति-निर्माता गृह वातावरण को सशक्त बनाने की दिशा में समन्वित प्रयास करें। अभिभावक-शिक्षक सहयोग, पारिवारिक परामर्श सेवाएँ तथा विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशीलता को शैक्षिक प्रणाली का अभिन्न अंग बनाया जाना चाहिए। एक पोषक, सहायक एवं संतुलित पारिवारिक वातावरण ही विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और उत्कृष्ट शैक्षिक उपलब्धि की वास्तविक आधारशिला है।

संदर्भ

1. अग्रवाल, श्वेता. (2015). उच्च माध्यमिक विद्यालय के बालक एवं बालिकाओं का संघटनात्मक वातावरण एवं समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन. *शिक्षा चिन्तन शोध पत्रिका*, जुलाई-सितम्बर, 14-22.
2. सिंह, नीलू. (2016). विद्यार्थियों के सामाजिक समायोजन पर विद्यालय वातावरण द्वारा पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन. *इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसीप्लिनरी एज्यूकेशन एण्ड रिसर्च*, 1(2), 31-34.
3. नायक, पी.के. (2018). उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शालेय वातावरण का विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन. *इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ एडवान्स एज्यूकेशन एण्ड रिसर्च*, 3(3), 28-30.
4. खींची, पूजा. (2017). उच्च माध्यमिक एवं माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों का विद्यालय वातावरण एवं मानसिक स्वास्थ्य के मध्य सह-सम्बन्ध का अध्ययन. [M.Ed. शोध प्रबंध]. बियानी ग्लर्स बी.एड. कॉलेज, जयपुर.
5. शर्मा, आर. (2020). *विद्यालयी वातावरण एवं शैक्षिक उपलब्धि*. शिक्षा प्रकाशन, जयपुर.
6. सविता, & सिंह, बी. (2024). माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर विद्यालयी वातावरण के प्रभाव का अध्ययन. *शोधकोश: दृश्य एवं प्रदर्शन कला जर्नल*, 5(6), 1891-1895. <https://doi.org/10.29121/shodhkosh.v5.i6.2024.5088>
7. लूनियाँ, पुष्पेन्द्र कुमार. (2013). किशोर विद्यार्थियों के विद्यालयी वातावरण का उनके शैक्षिक उपलब्धि स्तर एवं मूल्यों पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन. *एड्सर्च: जर्नल ऑफ एडुकेशन रिसर्च*, 4(1).
8. यादव, जे. एन. (2022). माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के शैक्षणिक उपलब्धि पर अभिभावक की शिक्षा के प्रभाव का अध्ययन. *इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंस रिसर्च*, 8(2), 112-115.
9. कुलश्रेष्ठ, प्रदीप कुमार. (1992). विद्यालय के वातावरण का विद्यार्थियों के समायोजन, अध्ययन की आदतों और शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव. [PhD. शोध प्रबंध]. आगरा विश्वविद्यालय.
10. बाल सुब्रमण्यम, न. (2002). अंग्रेजी विषय की उपलब्धि एवं कक्षा वातावरण का उच्च माध्यमिक स्तर पर प्रभाव का अध्ययन. [PhD. शोध प्रबंध]. कानपुर विश्वविद्यालय.
11. बृजेश, न. बी. (2003). विद्यालय की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन: केरल राज्य के सरकारी और पब्लिक स्कूलों का तुलनात्मक अध्ययन. [PhD. शोध प्रबंध]. कानपुर विश्वविद्यालय.
12. शुक्ला, म. (1983). बायोलॉजी विषय में बुद्धिमत्ता और विद्यालय के वातावरण का संयुक्त प्रभाव. [M.Ed. शोध प्रबंध]. इलाहाबाद विश्वविद्यालय.

Cite this Article:

शालिनी शर्मा, डॉ नीतू मान, “माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन”
Shiksha Samvad International Open Access Peer-Reviewed & Refereed Journal of Multidisciplinary Research, ISSN: 2584-0983
(Online), Volume 03, Issue 03, pp.328-335, March-2026. Journal URL: <https://shikshasamvad.com/>



This is an Open Access Journal / article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution License CC BY-NC-ND 3.0) which permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work is properly cited. All rights reserved.





CERTIFICATE

of Publication

This Certificate is proudly presented to

शालिनी शर्मा

For publication of research paper title

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का उनकी शैक्षिक
उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन

Published in 'Shiksha Samvad' Peer-Reviewed and Refereed
Research Journal and E-ISSN: 2584-0983(Online), Volume-03,
Issue-03, Month March 2026.

Dr. Neeraj Yadav
Editor-In-Chief

Dr. Lohans Kumar Kalyani
Executive-chief- Editor

Note: This E-Certificate is valid with published paper and
the paper must be available online at: <https://shikshasamvad.com/>
DOI:- <https://doi.org/10.64880/shikshasamvad.v3i3.37>



CERTIFICATE

of Publication

This Certificate is proudly presented to

डॉ नीतू मान

For publication of research paper title

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का उनकी शैक्षिक
उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन

Published in 'Shiksha Samvad' Peer-Reviewed and Refereed
Research Journal and E-ISSN: 2584-0983(Online), Volume-03,
Issue-03, Month March 2026.

Dr. Neeraj Yadav
Editor-In-Chief

Dr. Lohans Kumar Kalyani
Executive-chief- Editor

Note: This E-Certificate is valid with published paper and
the paper must be available online at: <https://shikshasamvad.com/>
DOI:- <https://doi.org/10.64880/shikshasamvad.v3i3.37>